गणेश जी के दोहे | By Subhas Goyal , Rekha |

विघ्न हरन गणनाथ जी
कृपा करो महाराज
सुख संपत्ति देवो प्रभु
राखियो मेरी लाज

नाना वर्ण सुरेश हैं
मुख प्रसन्न शशि-भाल
लंबोदर भुज चार हैं
नेत्र तीन, रंग लाल

मदन दहन के पुत्र को
सुमिरु बरम्बार
विघ्न कटै, संकट मिटै
मंगल होवे अपार

मदन दहन के पुत्र को
सुमिरु बरम्बार
विघ्न कटै, संकट मिटै
मंगल होवे अपार

विघ्न हरन गणनाथ जी
कृपा करो महाराज
सुख संपत्ति देवो प्रभु
राखियो मेरी लाज

नाना वर्ण सुरेश हैं
मुख प्रसन्न शशि-भाल
लंबोदर भुज चार हैं
नेत्र तीन, रंग लाल

विघ्न हरन गणनाथ जी
कृपा करो महाराज
सुख संपत्ति देवो प्रभु
राखियो मेरी लाज

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a5%87%e0%a4%b6-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a5%87-by-subhas-goyal-rekha/